CBSE Class 06 Hindi
NCERT Solutions
पाठ-15 नौकर

1. आश्रम में कॉलेज के छात्रों से गाँधी जी ने कौन-सा काम करवाया और क्यों?
उत्तर:- आश्रम में कॉलेज के छात्रों से गाँधी जी ने गेहूँ बीनने का काम करवाया।
एक बार गाँधी जी से मिलने के लिए कॉलेज के कुछ छात्र आए थे। उन सभी को अपने अंग्रेज़ी ज्ञान पर बड़ा गर्व था। बातचीत के दौरान छात्रों ने उनसे कोई कार्य माँगा। छात्रों को लगा कि गाँधी जी उन्हें पढ़ने-लिखने से संबंधित कोई कार्य देंगे ।गाँधी जी उनकी इस मंशा को भाँप गए और गाँधी जी ने छात्रों को गेहूँ बीनने का कार्य सौंप दिया। वास्तव में इस कार्य द्वारा गाँधी जी छात्रों को समझाना चाहते थे कि कोई भी कार्य छोटा या बड़ा नहीं होता।

2. 'आश्रम में गाँधी कई ऐसे काम भी करते थे, जिन्हें आमतौर पर नौकर-चाकर करते हैं'। पाठ से तीन ऐसे प्रसंगों को अपने अपने शब्दों में लिखो जो इस बात का प्रमाण हों।
उत्तर:- 'आश्रम में गाँधी कई ऐसे काम भी करते थे, जिन्हें आमतौर पर नौकर-चाकर करते हैं'। पाठ में ऐसे कई प्रसंग आए हैं जिनमें से निम्नलिखित प्रमुख हैं -

1 . एक कार्यकर्ता ने जब गाँधीजी से कहा कि आश्रम में आटा कम पड़ गया है तो वे आटा पीसने के लिए फ़ौरन खड़े हो गए ।

2 . आश्रम में कुछ लोग रसोई के बर्तन बारी-बारी से दल बनाकर धोते थे । एक दिन गाँधीजी ने बड़े-बड़े पतीलों को साफ़ करने का जिम्मा अपने ऊपर ले लिया ।

3 . एक बार गाँधीजी के कुछ साथी तालाब की भराई का काम कर रहे थे । एक सुबह जब वे काम ख़तम करके कुदाल , फावड़ा और टोकरियों के साथ वापिस लौटे, तो उन्होंने देखा कि गाँधीजी ने उनके लिए नाश्ता तैयार करके रखा हुआ है ।

3. लंदन में भोज पर बुलाए जाने पर गाँधी जी ने क्या किया?
उत्तर:- दक्षिण अफ्रीका में रहने वाले भारतीयों के जाने-माने नेता के रूप में गाँधी भारतीय प्रवासियों की माँगों को ब्रिटिश सरकार के सामने रखने के लिए एक बार लंदन गए। वहाँ उन्हें भारतीय छात्रों ने एक शाकाहारी भोज में निमंत्रित किया। छात्रों ने इस अवसर के लिए स्वयं ही शाकाहारी भोजन तैयार करने का निश्चय किया था। तीसरे पहर दो बजे एक दुबला-पतला और छरहरा आदमी आकर उनमें शामिल हो गया और तश्तरियाँ धोने, सब्जी साफ़ करने और अन्य छुट-पुट काम करने में उनकी मदद करने लगा। बाद में छात्रों का नेता वहाँ आया तो क्या देखता है कि वह दुबला-पतला आदमी और कोई नहीं, उस शाम को भोज में निमंत्रित उनके सम्मानित अतिथि गाँधी थे। इस प्रकार गाँधी जी ने बिना किसी संकोच के छात्रों की मदद की।

4. गाँधी जी ने श्रीमती पोलक के बच्चे का दूध कैसे छुड़वाया?

उत्तर:- एक बार दक्षिण अफ्रीका में जेल से छूटने के बाद घर लौटने पर गाँधी जी ने देखा कि उनके मित्र की पत्नी श्रीमती पोलक बहुत ही दुबली और कमज़ोर हो गई हैं। उनका बच्चा उनका दूध पीना छोड़ता नहीं था और वह उसका दूध छुड़ाने की कोशिश कर रही थीं। बच्चा उन्हें चैन नहीं लेने देता था और रो-रोकर उन्हें जगाए रखता था। गाँधीजी जिस दिन लौटे, उसी रात से उन्होंने बच्चे की देखभाल का काम अपने हाथों में ले लिया। बच्चे को श्रीमती पोलक के बिस्तर पर से उठाकर अपने बिस्तर पर लिटा लेते थे। वह चारपाई के पास एक बरतन में पानी भरकर रख लेते कि बच्चे को प्यास लगे तो उसे पिला दें। एक पखवाड़े तक माँ से अलग सुलाने के बाद बच्चे ने माँ का दूध छोड़ दिया। इस उपाय से गाँधी जी ने बच्चे का दूध छुड़वाया।

---

5. आश्रम में काम करने या करवाने का कौन-सा तरीका गाँधी जी अपनाते थे? इसे पाठ पढ़कर लिखो।

उत्तर:- गाँधी जी दूसरों से काम करवाने में बड़े सख्त थे परन्तु अपने लिए उनसे काम करवाना उन्हें पसंद न था। वे अपना कार्य स्वयं करते थे ;उसमें वे किसी की सहायता भी नहीं लेते थे। गाँधी जी को काम करता देख उनके अनुयायी भी उनका अनुकरण कर कार्य करने लगते थे या फिर जो काम नहीं करना चाहता था , वह भी काम करने के लिए प्रेरित हो जाता था । इस प्रकार गाँधी जी अपने स्वयं के उदाहरण द्वारा लोगों को काम करने की प्रेरणा देते थे।

---

6. गाँधी जी इतना पैदल क्यों चलते थे? पैदल चलने के क्या लाभ हैं? लिखो।

उत्तर:- गाँधी जी पैदल चलने से होने वाले लाभों से संभवतः अवगत होने के कारण अकसर अपनी यात्राएँ पैदल चलकर ही पूरी करते थे। इससे उनमें हर प्रकार का कार्य करने की अद्भुत क्षमता और शक्ति बनी रहती थी । वास्तव में पैदल चलकर ही गाँधी जी स्वतंत्रता के लिए जन जागरण और अपने आंदोलनों को सफल बना पाए।

पैदल चलने के कई लाभ हैं -
पैदल चलना शारीरिक व्यायाम की श्रेणी में सबसे उत्तम कोटि का व्यायाम है। पैदल चलने से हमारा शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहता है। इसे हर कोई बड़ी आसानी से कर सकता है। रोज इसका अभ्यास करने से शारीरिक फुर्ती बनी रहती हैं और व्यक्ति अपने को तरोताज़ा और स्वस्थ महसूस करता है।

---

7. गाँधी जी अपने साथियों की ज़रूरत के मुताबिक हर काम कर देते थे, लेकिन उनका खुद का काम कोई और करे, ये उन्हें पसंद नहीं था। क्यों? सोचो और अपने शिक्षक को सुनाओ।

उत्तर:- गाँधी जी स्वावलंबी होने के कारण, दूसरों के सामने आदर्श उदहारण प्रस्तुत करने के लिए तथा अन्य को भी स्वावलंबी बनाने लिए अपना कार्य स्वयं करते थे।

---

8. 'नौकरों को हमें वेतनभोगी मज़दूर नहीं, अपने भाई के समान मानना चाहिए। इसमें कुछ कठिनाई हो सकती है, फिर भी हमारी कोशिश सर्वथा निष्फल नहीं जाएगी।'
गाँधी जी ऐसा क्यों कहते होंगे? तर्क के साथ समझाओ।

उत्तर:- ये सच है कि यदि हम मज़दूर को अपना भाई समझने लगें तो वह अपने काम से कामचोरी और लापरवाही कर सकता है परन्तु हम निरंतर प्रयास करते रहें तो एक न दिन वह इस बात को समझ जाएगा कि इस घर से उसे अपनापन और प्यार मिलता है

अत: उसकी भी इस घर के प्रति जिम्मेदारी बनती है और उसे दिए गए कार्य को नियत समय पर पूरा करना है।

9. गाँधी जी की कही-लिखी बातें लगभग सौ से अधिक किताबों में दर्ज हैं। घर के काम, बीमारों की सेवा, आगंतुकों से बातचीत आदि ढेरों काम करने के बाद गाँधी जी को लिखने का समय कब मिलता होगा? गाँधी जी का एक दिन कैसे गुज़रता होगा, इस पर अपनी कल्पना से लिखो।

उत्तर:- मेरे अनुसार गाँधी जी साधारण व्यक्ति तो थे नहीं अत: असाधारण व्यक्तित्व के धनी होने के कारण और अत्यधिक व्यस्त व्यक्ति होने के बावज़ूद भी वे कई सारे काम और लिखने के लिए समय निकाल ही लेते थे।

10. पाठ में बताया गया है कि गाँधी जी और उनके साथी आश्रम में रहते थे। घर और स्कूल स्कूल के छात्रावास से गाँधी जी का आश्रम किस तरह अलग था? कुछ वाक्यों में लिखो।

उत्तर:- गाँधी जी के आश्रम में हर एक जाति वर्ग, उच्च, निम्न आदि सभी वर्गों का समावेश था। आश्रम में उनके सहयोगियों के अलावा, मित्र, ज़रूरतमंद, देशी, विदेशी आदि सभी लोग एक परिवार की तरह रहते थे।
छात्रावास में भी सभी धर्मों और समुदायों के बच्चे शिक्षा ग्रहण करने आते हैं। छात्रावास और आश्रम की कार्य-पद्धति में अंतर होता है। दोनों के उद्देश्य भी अलग-अलग होते हैं परन्तु छात्रावास विशुद्ध रूप से शिक्षा प्रणाली से संबंधित होने के कारण आश्रम से भिन्न होता है। स्कूल के छात्रावास में छात्रों को पढ़ाई के अलावा किसी अन्य कार्य की फिक्र नहीं रहती थी लेकिन आश्रम में आटा पीसने से लेकर सब्ज़ियाँ उगाने तक का कार्य करना पड़ता था।

11. ऐसे कामों की सूची बनाओ जिसे तुम हर रोज खुद कर सकते हो।

उत्तर:- हम निम्नलिखित काम खुद कर सकते हैं -
• अपना बिस्तर और कमरा ठीक रखना। उनमें पुस्तकें - कॉपियाँ आदि ठीक जगह में रखना ।

- अपनी स्कूल यूनिफार्म और जूते-चप्पलों को ठीक से रखना।

• अपने कपड़ों पर इस्तरी करना।
• अपने कपड़ों को धोना।

• भाषा की बात

1.1 'पिसाई' संज्ञा है। पिसना शब्द से 'ना' निकाल देने पर 'पीस' धातु रह जाती है। पीस धातु में 'आई' प्रत्यय जोड़ने पर 'पिसाई' शब्द बनता है। किसी-किसी क्रिया में प्रत्यय जोड़कर उसे संज्ञा बनाने के बाद उसके रूप में बदलाव आ जाता है, जैसे ढोना से ढुलाई, बोना से बुलाई।
मूल शब्द के अंत में जुड़कर नया शब्द बनाने वाले शब्दांश को प्रत्यय कहते हैं।
नीचे कुछ संज्ञाएँ दी गई हैं। बताओ ये किन क्रियाओं से बनी हैं -
बुआई.... कटाई....

सिंचाई.... रोपाई....
कताई.... रंगाई....
उत्तर:-

संज्ञा	क्रिया
बुआई	बोना
सिंचाई	सींचना
कताई	कातना
कटाई	काटना
रोपाई	रोपना
रंगाई	रँगना

1.2 हर काम-धंधे के क्षेत्र की अपनी कुछ अलग भाषा और शब्द-भंडार होते हैं। ऊपर लिखे शब्दों का संबंध दो अलग-अलग कामों से है। पहचानो कि दिए गए शब्दों के संबंध किन-किन कामों से हैं।
उत्तर:- उपर्युक्त लिखे हुए शब्दों का संबंध कृषि तथा कपड़े से संबंधित है।

2.1 तुमने कपड़ो को सिलते हुए देखा होगा। नीचे इस काम से जुड़े कुछ शब्द दिए गए हैं। आस-पास के बड़ों से या दरजी से इन शब्दों के बारे में पूछो और इन शब्दों को कुछ वाक्यों में समझाओ।
तुरपाई ,कच्ची सिलाई
बखिया ,चोर सिलाई
उत्तर:- • तुरपाई - हाथ की सिलाई को कहते हैं।
• बखिया - मशीन द्वारा की गई सिलाई को कहते हैं।
• कच्ची सिलाई - पक्की सिलाई करने से पहले एक मोटी-मोटी सिलाई की जाती है ,उसे कच्ची सिलाई कहते हैं।
• चोर सिलाई - सिलाई जो बाहर से नज़र नहीं आती है।

2.2 नीचे लिखे गए शब्द पाठ से लिए गए हैं। इन्हें पाठ में खोजकर बताओ कि ये स्त्रीलिंग हैं या पुल्लिंग -
कालिख, भराई, चक्की, रोशनी, जेल, सेवा, पतीला।
उत्तर:- पुल्लिंग - पतीला
स्त्रीलिंग - कालिख, भराई, चक्की, रोशनी, जेल, सेवा।